2010 - 2011
कक्षा 6
हिन्दी

अप्रेल / मई

मैं सबसे छोटी होऊँ

- छात्राएँ माँ बेटी के आत्मीय सम्बन्ध को समझ सकेंगी।
- माँ के प्रति और अधिक आदर व प्रेम की भावना का विकास होगा।
- नए शब्दों के अर्थ जान सकेगें।
- कविता के भाव को अपने शब्दों में लिख सकेगें।

नौकर

- अपने काम को स्वयं करने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेगें।
- गाँधीजी की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित हो सकेगें।
- पैदल चलने के लाभ से परिचित होंगें।
- कठिन शब्दों के अर्थ जान पाएँगें।

व्याकरण

- जीवन में भाषा के महत्त्व को जानेगें।
- विभिन्न भाषाओं की लिपि से अवगत होंगें।
- व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध प्रयोग को जानेगें।
- राजभाषा व राष्ट्रभाषा के अन्तर को जानेगें।
- इस आधार पर राष्ट्रभाषा के महत्त्व के प्रति जागरुक होंगीं।

पत्र

- व्यक्तिगत पत्र के प्रारुप को जानेगें।
- रचना कौशल का विकास होगा।

अनुच्छेद

- सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।
- कक्षा में मेरा पहला दिन, मैं बनना चाहती हूँ......................

जुलाई

नादान दोस्त

- पठन कौशल तथा काल्पनिक शक्ति का विकास होगा।
- एक-दूसरे के प्रति सहायता की भावना से जागरुक होंगें।
- कोई भी नया काम करने से पहले बच्चे अपने अभिभावकों से परामर्श की सीख लेंगे।

झाँसी की रानी

- छात्राओं को प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के बारे में पता चलेगा।
- वीरागंना के गुणों से अवगत होंगे।
- देशभक्ति की कविता लिखने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगी।

व्याकरण

- शब्दों के स्त्रोत के बारे में जानेगें ।
- स्त्रोत के आधार पर शब्दों के वर्गीकरण (तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी) को समझ सकेगें।

- समाचार-पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते समय शब्दों को वर्गीकृत कर सकेगें, जिससे उनके शब्द-भंडार में वृद्धि होगी।

संज्ञा व उसके भेद

- संज्ञा तथा उसके भेदों (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक) से परिचित होगें।
- संज्ञा शब्दों को उनके भेदों के अनुसार वर्गीकृत कर सकेगें।

अनुच्छेद - वन महोत्सव

- सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।
- जीवन में वृक्षों के महत्त्व से भलीभाँति परिचित होंगे व इसके दुरुपयोग को कम करने का प्रयास कर सकेगें।

अगस्त

ऐसे - ऐसे

- संवाद एवं अभिनय कला में कुशलता प्राप्त करना।
- छात्रओं में अभिनय द्वारा शुद्ध उच्चारण, प्रभावपूर्ण कथन तथा भाषा प्रयोग की योग्यता का विकास होगा।
- जीवन में सच के महत्त्व को समझेगें तथा झूठ न बोलने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेगें।

साथी हाथ बढ़ाना

- गीत का सस्वर वाचन करेगें।
- मिल-जुलकर काम करने की भावना का विकास हो सकेगा।
- जीवन में परिश्रम के महत्त्व को समझकर कठिनाइयों का सामना करना सीखेगें।
- अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत् प्रयास करने के लिए प्रेरित होंगी।

व्याकरण

- शब्दों की रचना के आधार पर इनके वर्गीकरण (रुढ़, यौगिक, योगरुढ़) को जानेंगी।

सितम्बर / अक्तूबर

टिकट - अलबम

- छात्राएँ पारस्परिक ईर्ष्या की भावना को मन में न लाने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगी।
- कथा वस्तु सुनकर ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- छात्राओं में कहानी अपने शब्दों में वर्णन करने की योग्यता का विकास हो सकेगा।
- छात्राओं को मेहनत के रास्ते पर चलने की प्रेरणा प्राप्त होगी।

अक्षरों का महत्त्व

- छात्राएँ लिखित भाषा के महत्त्व को समझ सकेगीं।
- इस तथ्य से परिचित कराना कि पुराना ज्ञान नई पीढ़ी को किस प्रकार मिला।

अनुच्छेद - बुराई पर अच्छाई का प्रतीक , राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

नवम्बर

चाँद से थोड़ी सी गप्पें

- हिन्दी मास में प्रयोग होने वाले दो पक्षों के बारे में जानेगें।
- किस पक्ष में चाँद घटता है तथा बढ़ता है, यह जानकारी दी जाएगी।
- हिन्दी और अंग्रेजी के कैलेंडर के अन्तर को जानेंगी।
- प्रकृति में होने वाले परिवर्तन को इस कविता में पढ़कर अन्य किसी विषय पर विचार प्रस्तुत कर सकेंगी।

जो देखकर भी नहीं देखते

- छात्राएँ शारीरिक विकार से ऊपर उठकर सदा आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगी।
- नेत्रहीन व्यक्तियों की स्थिति को महसूस कर सकेंगी।
- प्रकृति के सौंदर्य को सराहने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगी।

व्याकरण - कारक

- कारक के भेदों का ज्ञान प्राप्त होगा तथा उनका सही प्रयोग कर सकेगें।
- कारक चिह्नों के कारण क्रिया के रुप में परिवर्तन समझ सकेगें।

पत्र

- प्रार्थना पत्र के प्रारुप से परिचित हो सकेगें ।
- छात्राएँ अपनी कठिनाइयों को व्यक्त कर सकेंगी।

दिसम्बर

वह चिड़िया जो (कविता)

- छात्राएँ चिड़िया की विशेषताओं से परिचित होंगी।
- स्वच्छन्दता के भाव को अनुभव करेंगी।
- लय, गति के अनुसार कविता का सस्वर वाचन सीखेंगी।
- श्रवण शक्ति तथा अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास होगा।
- कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ जानेंगी तथा स्वयं वाक्य प्रयोग करके उसे स्पष्ट करेंगी।

लोकगीत

- लोकगीत की विशेषताओं से परिचित होंगें।
- विभिन्न भाषाओं के लोकगीतों से परिचित होंगें तथा अपनी मातृभाषा के लोकगीत सीखने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेगें।

व्याकरण - सर्वनाम व उसके भेद

- सर्वनाम शब्दों व उसके भेदों को जान पाएँगें।
- भेदों का वर्गीकरण करने में सक्षम होंगें।
- संज्ञा व सर्वनाम के अन्तर को जान पाएँगे।

अनुच्छेद - बड़ा दिन (क्रिसमस)

जनवरी

बचपन

- छात्राएँ लेखिका कृष्णा सोबती के बचपन से परिचित होगी।
- अपना (स्वयं का) और लेखिका के बचपन का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेगी।
- मिलजुलकर रहने की भावना का विकास होगा।
- किसी भी यात्रा का वर्णन करने में सक्षम हो सकेगी तथा सराहना कर सकेगी।
- पठन कौशल तथा अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास होगा।

व्याकरण - विशेषण व उसके भेद

- संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों (विशेषण) को जान सकेगें।
- विशेषण शब्दों के भेदों की जानकारी प्राप्त कर सकेगें।

व्याकरण - क्रिया व उसके भेद

- क्रिया व उसके दो भेदों के बारे में जानेगें। दोनों भेदों के अन्तर को समझ सकेगें।

व्याकरण - काल व उसके भेद

- अपने व्यावहारिक जीवन से काल के कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर सकेगें।
- क्रिया के शुद्ध रुप को जानगें।
- क्रिया के रुप को पढ़कर काल के भेदों को वर्गीकृत कर सकेगें।

अनुच्छेद - गणतन्त्र दिवस

फरवरी

वन के मार्ग में

- अवधि भाषा से परिचित होंगें।
- राम को वनवास मिलने पर मार्ग में आई कठिनाईयों को जानेगें।
- पितृभक्त व भ्रातृप्रेम से परिचित होंगें।
- ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि होगी।

व्याकरण

- अविकारी तथा विकारी शब्दों के अन्तर को समझ सकेगें।
- इसके अन्तर्गत क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, सम्बन्धबोधक व विस्मयादिबोधक शब्दों से परिचित होंगीं।
- स्वयं भेदों का उदाहरण दे सकेगें।

संस्कृत

अप्रैल / मई

संस्कृत वर्णमाला

- छात्राओं को स्वर तथा व्यंजन का ज्ञान देना।
- अनुस्वार व विसर्ग की जानकारी देना।
- छात्राएँ अन्तःस्थ तथा ऊष्म व्यंजन में भेद कर पाएँगी।

संस्कृत शब्द परिचय (सामान्य परिचय देना)

- संस्कृत में पुल्लिंग, स्त्रीलिंग व नपुं. को समझ कर लिख सकना।
- तीनों लिंगों को अलग-अलग प्रयोग कर सकना।

शब्द रूप

- नर (पुल्लिंग) सभी विभक्तियों में लिखना सीखेंगी।

धातु रूप

- पठ् लृट् लकार छात्राएँ प्रथम पु. , म. पु. व उ. पु. में लिखना सीखेंगी।

जुलाई

सर्वनाम परिचय

- संज्ञा के सथान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों का ज्ञान हासिल करना।
- सर्वनाम शब्दों का परिचय भी प्राप्त करना।

शब्द रूप - छात्रा (स्त्रीः)

- स्त्रीलिंग शब्दों को लिखना सीख पाएँगी। सभी विभक्तियों में रूप लिखना सीख पाएँगी।
- तीनों पुरूषों में लिखना व पढ़ना सीख पाएँगी। (प्रथम पुरूष, मध्यम पुरूष, उत्तम पुरूष)

संख्या - 1 से 10 तक

अगस्त

अव्यय पद

- संस्कृत भाषा के कुछ ऐसे शब्द जिनका रूप कभी परिवर्तित नहीं होता, उसे क्या कहते हैं - इस तथ्य को समझ सकना।
- अव्यय पदों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगी छात्राएँ।

परियोजना कार्य

पाँच - पाँच पु., स्त्री., नपुं. शब्दों को लिख कर कण्ठस्थ कीजिए।

सितम्बर

कारक परिचय

- क्रिया शब्दों के साथ सम्बन्ध जोड़ने वाले शब्दों का ज्ञान छात्राएँ प्राप्त करेंगी।
- छात्राएँ संस्कृत में कारक और उसकी विभक्तियाँ समझ सकेंगी।

शब्द रूप - फल (नपुं.)

- नपुंसकलिंग शब्दों का सामान्य ज्ञान देना।
- प्रथमा से सम्बोधन तक रूप समझ सकना।

धातु रूप - चल् (लट् लकार)

- प्र. पु. से लेकर उ. पु. तक के रूपों को समझ कर लिखना।
- लट् लकार में वर्तमान काल के रूप को समझ सकना।

अक्तूबर

कर्ता कारक

- प्रथमा विभक्ति के रूप को समझ सकना।
- कर्ता के परसर्ग 'ने' को वाक्य में प्रयोग कर सकना।

कर्म कारक

- कर्म कारक में प्रयोग होने वाले परसर्ग का वाक्यों में प्रयोग करना सीख पाना।
- 'को' परसर्ग को समझ कर लिख सकेंगी छात्राएँ।

शब्द रूप - बालक (पु.)

- संस्कृत भाषा में प्रयोग किए जाने वाले पु. शब्दों की जानकारी प्राप्त कर सकना।

धातु रूप - गम् (लृट् लकार)

- छात्राएँ भविष्यकाल की जानकारी प्राप्त कर सकेंगी व इसका प्रयोग व्यावहारिक रूप से करेंगी।

नवम्बर

करण कारक

- परसर्ग 'से' व 'के द्वारा' की जानकारी छात्राओं को दी जाएगी।
- वाक्यों को शुद्ध करना सीखेंगी। तृतीया विभक्ति का प्रयोग कर सकेंगी।

सम्प्रदान कारक

- चिह्न 'के लिए' का प्रयोग स्वयं छात्राएँ कर सकेंगी।
- चतुर्थी विभक्ति लगाकर उत्तर पुस्तिका में लिख सकेंगी।

शब्द रूप - लता (स्त्री)

- छात्राएँ आकारान्त शब्दों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगी। 'लता' से मिलते जुलते शब्द रूप अन्य स्वयं लिखेंगी।

धातु रूप - गम् (लृट् लकार)

- भाविष्यतकाल की जानकारी छात्राएँ स्वयं कर सकेंगी व लिख सकेंगी ।

दिसम्बर

सम्बन्ध कारक

- षष्ठी विभक्ति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।
- सम्बन्ध जोड़ने के अर्थ में षष्ठी विभक्ति का प्रयोग करना सीखेंगी।

शब्द रूप - गृह (नपुं.)

- नपुं. शब्दों की जानकारी छात्राओं को दी जाएगी।
- छात्राएँ स्वयं नपुं. में शब्द रूप लिखेंगी।

धातु रूप - भू (लृट् लकार)

- आने वाले समय की जानकारी छात्राएँ प्राप्त कर सकेंगी।

जनवरी

अधिकरण कारक, सम्बोधन कारक

- छात्राएँ अधिकरण कारक से सप्तमी विभक्ति के नियमों को जानेंगीं।
- सम्बोधन के रूप भी लिखना सीखेंगी।

शब्द रूप - वाहन (नपुं.)

- नपुं. शब्दों को पढ़ना व लिखना सीखेंगी।

धातु रूप - खाद् (लट् लकार)

- भविष्यत काल के रूपों को समझ कर लिखना सीखेंगी।

संख्या - 11 से 20 तक

फरवरी

सप्त श्लोकाः (लृट् लकार)

- छात्राएँ लृट् लकार की क्रियाओं का प्रयोग करना सीखेंगी।
- श्लोकों को गायन के रूप में प्रस्तुत करेंगी

धातु रूप - वद् (लृट् लकार)

- लृट् लकार की धातुओं को पढ़ना व लिखना सीखेंगी।

सप्त श्लोकाः पुनरावृत्ति

परियोजना कार्य

पाँच - पाँच धातु रूप लट् लकार में लिखक कर कण्ठस्थ कीजिए।